नोएडा मेट्रो के फेज-2 में कंसल्टेंट की भूमिका निभाएगी डीएमआरसी

■ विस, नई दिल्ली

नोएडा मेट्रो के फेज-2 के तहत नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-2 के बीच नए मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण में डीएमआरसी भी अहम भूमिका निभाएगी। शुक्रवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) और नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इसके तहत डीएमआरसी नोएडा मेट्रो के फेज-2 के लिए एनएमआरसी को जनरल कंसल्टेंसी और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी सेवाएं देगी। डीएमआरसी के डायरेक्टर बिजनेस डिवेलपमेंट पीके गर्ग और एनएमआरसी के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर व नोएडा अथॉरिटी के एसीईओ प्रवीण मिश्रा ने जनरल कंसल्टेंसी एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर डीएमआरसी और एनएमआरसी के कई अन्य सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे। यह एग्रीमेंट अभी पांच साल के लिए किया गया है। इस एग्रीमेंट के तहत डीएमआरसी सिग्नलिंग, रोलिंग स्टॉक, टेलिकॉम, ओएचई, ट्रैक और स्काडा जैसे कई तरह के सिस्टम पैकेज की बिडिंग के लिए बिडिंग डॉक्यूमेंट्स तैयार करने में सहायता और मार्गदर्शन करेगी। इसके अलावा कॉन्ट्रैक्ट अवॉर्ड करने की प्रक्रिया, सिस्टम कॉन्ट्रैक्ट के मैनेजमेंट और वर्तमान में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच ऑपरेशनल मेट्रो की एक्वा लाइन के सिस्टम को नई लाइन के सिस्टम के साथ सही तरीके से इंटिग्रेट करने की प्रक्रिया में भी डीएमआरसी नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को पूरा सहयोग करेगी और उचित सलाह भी देगी।

इसके अलावा डीएमआरसी डिजाइन्स के एप्रूवल, वैल्यू इंजीनियरिंग और कॉस्ट ऑप्टिइमाइजेशन, स्वतंत्र क्वॉलिटी एंड सेफ्टी मॉनिटरिंग, कंस्ट्रक्शन सुपरविजन जैसे कई अन्य कामों का भी जिम्मा संभालेगी। कंस्ट्रक्शन वर्क पूरा हो जाने के बाद पूरे सिस्टम और उपकरणों की टेस्टिंग और लाइन की कमिशनिंग में सहायता करने के साथ-साथ रेगुलेटरी क्लियरेंस लेने के मामले में भी डीएमआरसी एनएमआरसी को गाइड करेगी। साथ ही एनएमआरसी के लोगों को ऑपरेशन, मेंटेनेंस, विभिन्न उपकरणों की रिपेयरिंग से जुड़ी ट्रेनिंग दिलाने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

इन सभी कामों में एनएमआरसी डीएमआरसी को पूरा सहयोग करेगी और एग्रीमेंट की शर्तों के तहत सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए काम को आगे बढ़ाएगी। एनएमआरसी प्रोजेक्ट के लिए फंड जुटाने और कॉन्ट्रैक्टरों व कंसल्टेंट को पेमेंट के लिए सिस्टम तैयार करेगी और कंसल्टेंसी सेवा देने वाल डीएमआरसी की टीम को नोएडा में पर्याप्त ऑफिस स्पेस भी मुहैया कराएगी। नोएडा मेट्रो का फेज-2 वर्तमान में संचालित 29.07 किमी लंबी एक्वा लाइन का एक्सटेंशन है। इस 9.605 किमी लंबे नए मेट्रो कॉरिडोर पर 5 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। लाइन पर स्टेशनों की संख्या 26 हो जाएगी।

सेक्टर-51 से ग्रेनो सेक्टर-2 के बीच बनेगा कॉरिडोर

कॉरिडोर पर 5 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे।

29.07 किमी लंबी एक्वा लाइन का एक्सटेंशन है नोएडा मेट्रो का फेज-2